THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) No

(b) to (d). About 3,00 have been engaged but there has been fluctuation from time to time. About 500 are expected to be absorbed permanently on maintenance. At present all except 500 who were retrenched are being continued on maintenance work of assets created and for completing the balance of the construction works

Electric Locomotives produced in Chittaranjan Locomotive Works

3091 SHRI MOHAMMAD ISMAIL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of Electric Locomotives produced by the Chittaranjan Locomotive Works during the period from April, 1972 to December, 1972;

(b) what had been the target of production during this period and whether the target has been fulfilled; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD SHAFI QURESHI): (a) 35 Electric Locomotives have been produced by the Chittaranjan Locomotive Works during the period from April, 1972 to December, 1972.

(b) 59 Electric Locomotives were planned to be produced by the Chittaranjan Locomotive Works during the year 1972-73. There has been some shortfall in production during the period from April, 1972 to December, 1972 as compared to the planned production for the year.

(c) The main reasons for the shortfall in production of Electric Locomotives have been non-availability of traction motors due to delay in manufacture/procurement of improved and modified design of traction motors, inadequate supply of tap-changers from both imported and indigenous sources and transformers master controllers, regulators and high speed circuit breakers from M/s. HEIL, Bhopal, and power interruptions.

म ध प्रदेश में सिंचाई क्षमता का उपयोग किया जाना

3092. श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या गत 20 वर्षों में मध्य प्रदेश में सिंचाई की कितनी क्षमता उत्पन्न की गई है, उसका पूरा उपयोग नहीं किया गया है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्षमता पूरा उपयोग करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सिंचाई और विद्युत् मन्त्रालय में उपमंत्री (श्री बालगोविन्द वर्मा) (क) जी हां। मध्य प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि 1971-72 तक योजना कार्यों द्वारा उत्पन्न की गई 17 16 लाख एकड की शक्यता में से समुपयोजन 10.64 लाख एकड था ।

(ख) चम्बल परियोजना में मुख्य कमी मुख्तया निम्न कारणों से थी : —

(1) घास-पात के कारण दायी मुख्य नहर की निम्न वाहन क्षमता ।

(2) परियोजना रिपोर्ट में की गई परिकल्पना की तुलना में नहर प्रणाली में अधिक हानिया ।

(3) एक क्यूसेक क्षमता से कम जलमार्गों और क्षेत्रीय नालियों का अपर्याप्त निर्माण ।

(4) जाल-जमाव रोध और अपर्याप्त जल निकास प्रणाली ।

(5) बाढ़ समायोजन के लिए अभिकल्पित सचय रखने की तुलना में गाधी सागर जलाशय का नि न स्तर पर प्रचालन।

(6) डाकुओ के भय का कारण रात्रि सिचाई का न होना ।

(ग) राज्य सरकार ने सूचित किया है कि आधाकट विकास स्कीमे तैयार की जा रही है और क्षेत्र न लिगो, जो किसानो की जिम्मेदारी है, के निर्माण मे तेजी लाई जा रही है । कृषि विभाग परियोजित फसल पैटर्न के अनुसार शीघ्रातिशीघ्र सिंचाई कार्यों के विकास के लिए भी कदम उठा रहा है । गेहू की अधिक फसल देने वाली किस्म को शुरू करने के कारण स्कीम मे व्यवस्थित पानी की तुलना मे पानी का पर्याप्त मात्रा की आवश्यकता है जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र मे कमी आ गई । उन्होने कहा है कि इसलिए अभिकल्पित क्षेत्रफल को सशोधित करने की आवश्यकता है और उससे समुपयोजन और जरूरत के बीच का अन्तर और कम हो जाएगा ।

तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा पिछले 12 महीनों मे किये गये तथा आगामी 12 महीनो में किये जाने वाले ड्रिलिंग आपरेशन (खुदाई कार्य)

3093. **श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल** क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ने पिछले 12 महीनो में कितने 'ड्रिलिंग आपरेशन' किये और उनका क्या परिणाम निकला; और

(ख) इस बारे में आने वा 12 महीनो के लिये जो योजना है उसकीमोटी रूपरेखा क्या है ?

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में उप मंत्री (श्री हलधर सिंह) : (क) वित्तीय वर्ष 1972–73 के पहले 10 महीनों, अर्थात् अप्रैल, 1972 से जनवरी, 1973 तक, के दौरान तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ने देश के विभिन्न भागो में 52 कुओं का व्यधन कार्य पूरा किया था । शेष दो महीनो अर्थात् फरवरी तथा मार्च, 1973 के दौरान 18 कुओ का व्यधन करने की योजना है । 31 जनवरी, 1973 को पूरे किये गये 52 कुओ में से, 16 कुए तेल / गैस युक्त, 12 कुए शुष्क पाये गये और शेष 24 कुओ का परीक्षण किया जा रहा था ।

(ख) वित्तीय वर्ष 1973–74 के दौरान आयोग ने देश के विभिन्न भागो मे कुल मिला कर 204, 470 मीटरो की गहराई के 99 कुओ का व्यधन करने की योजना बनाई है ।

प्रत्येक रा य में भूतपूर्व सैनिकों को तेल तथा प्राकृतिक गैस की बिक्री हेतु दी गई एजेंसियां

3094 **श्री नवल किशोर शर्मा** : क्या पैट्रोलियम और रसायन मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में राज्य वार कुल कितने भूतपूर्व सैनिकों को तेल, पेट्रोल तथा गैस की बिक्री हेतु एजेंसियां दी गई है ;

(ख) क्या राजस्थान के भूतपूर्व सैनिक को सबसे कम एजेंसियां दी गई हैं; और

(ग) यदि हां, तो इसका क्या कारण हैं ?

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री हलधर सिंह) : (क) से (ग). सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।